

①

SET-1

SET-1

M. A. 4th SEM (चतुर्थ समसत्र) संस्कृत SNK-CC-412

शा-दाकश पत्र

SET-1

1. दिए गए विकल्पों में सही विकल्प चुनें 1X10

(i) शाश्वत आयुर्वेद की कितनी परम्पराएँ हैं?

- (क) सात
- (ख) तीस
- (ग) पाँच

(ii) चरक संहिता के प्रथम अध्याय का नाम है:

- (क) दीर्घजीवित्वीय अध्याय
- (ख) मात्राशित्वी अध्याय
- (ग) शौगाध्याय

(iii) सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं?

- (क) दश
- (ख) तीस
- (ग) पाँच

(iv) "सूत्रस्थान" में सूत्रों की संख्या है:

- (क) 382
- (ख) 282
- (ग) 1952

(v) चरक संहिता में कितने स्थान हैं?

- (क) तीस
- (ख) चार
- (ग) आठ

(vi) 'लक्ष्मणशौकालम्ब' आयुर्वेद कितने भागों में विभक्त है?

- (क) तीन
- (ख) पाँच
- (ग) आठ

①



SET-1

(VII) महर्षि गण प्राणियों के कल्याणार्थ कहाँ एकत्र हुए ?

- (क) आश्रम में
- (ख) स्वर्गलोक में
- (ग) हिमालय में

(VIII) - चैष्टाई व्यवहार में कितने प्रकार की हैं ?

- (क) पाँच
- (ख) चार
- (ग) दो

(IX) चरक का काल क्या माना जाता है ?

- (क) प्रथम शताब्दी
- (ख) चतुर्थ शताब्दी
- (ग) पंचम शताब्दी

(X) आत्रेय ऋषि के पुत्र का नाम क्या था ?

- (क) पुनर्वसु
- (ख) रमानन्द
- (ग) सदानन्द

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखें - 15X1

- (क) अपारे काव्य संसारे कविरेव प्रजापति ।
- (ख) काव्येषु नाटकम् श्रेष्ठम् ।
- (ग) शब्दकवीनां निकर्षं वदन्ति ।
- (घ) संस्कृताध्ययनस्य प्रयोजनानि ।

(2)

P.T.O



SET-1

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर समसामयिक निबन्ध -  
- संस्कृत में लिखें। 15X/

(क) पर्यावरण संरक्षणम् ।

(ख) आतंकवादः ।

(ग) भ्रष्टाचारः ।

(घ) योगः कर्मसु कौशलम् ।

4. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें: -  
15X/

(क) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में चरक संहिता की उपयोगिता पर प्रकाश डालें ।

(ख) चरकसंहिता के प्रथम अध्याय का सारांश प्रस्तुत करें ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों का अनुवाद करें: -  
7½X2=15

(क) शरीरं सत्त्वसं च व्याधीनामाश्रयो मनः ।

तथा सुखानां योगस्तु सुखानां कारणं समः ॥

(ख) तदेव युक्तं मेघज्यै भद्रायुष्य कल्पते

स चेव मिषजा केषां रोगैर्मयो यः प्रमोचयेत् ॥

(ग) सरुनेहमुष्णं तीक्ष्णं च द्रव्यमस्मै खरं कटु ।

विपरीतगुणैः पित्तं द्रव्यैराशु प्रशाम्यति ॥

(घ) गुरुशीतमृदुरिण्णज्वमधुरस्निग्ध पिच्छलाः ।

श्लेष्माणः प्रशमं यान्ति विपरीत गुणैः गुणाः ॥

(3)

Dr. T. Pandey

H.O.D. Sanskrit

K.U.



1. दिए गए विकल्पों में उचित विकल्प का चयन करें: -  
1X10

(i) आयुर्वेद किस वेद का उपांग है?

- (क) सामवेद
- (ख) अथर्ववेद
- (ग) ऋग्वेद

(ii) आयुर्वेदशास्त्र का उपदेश भारद्वाज को किसने दिया था?

- (क) देवराज इन्द्र
- (ख) विष्णु
- (ग) नारद

(iii) आयुर्वेदिक ज्ञान की अनुमति स्वयं किनको हुई थी?

- (क) मरीच
- (ख) प्रह्ला
- (ग) विष्णु

(iv) बलनामक दैत्य को बध करने से बलहन्ता किसे कहते हैं?

- (क) कृष्ण
- (ख) इन्द्र
- (ग) विष्णु

(v) चरक किसने राजवेद्य थे?

- (क) विक्रमादित्य
- (ख) चाणक्य
- (ग) कनिष्क



(VI) 'पुनर्वसु' किसके शिष्य थे?

(क) आत्रेय ऋषि

(ख) भारद्वाज

(ग) विश्वामित्र

(VII) चरक संहिता के किस विभाग को सूत्रस्थान कहते हैं?

(क) प्रथम

(ख) द्वितीय

(ग) तृतीय

(VIII) सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं?

(क) तीस

(ख) चालीस

(ग) दस

IX - भद्रश्लोकात्मक 'आयुर्वेद' कितने भागों में विभक्त है?

(क) दश

(ख) पच्चीस

(ग) आठ

(X) गुण कर्म के आधार पर दूध कितने प्रकार के होते हैं?

(क) तीन

(ख) बारह

(ग) आठ

2



2. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखें  
15X1

(क) उपमाकाव्यिदासस्य

(ख) संस्कृत साषायाः महत्त्वम्

(ग) राष्ट्रविकासे धातस्य योगदानम्

(घ) विद्या ददाति विनयम्

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर समसामयिक निबन्ध संस्कृत में लिखें 15X1

(क) पर्यावरणम्

(ख) योगस्य उपयोगिता

(ग) कोरोना वायरसः

(घ) जलसंरक्षणम्

4. निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें: -  
15X1

(क) चरक संहिता के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालें।

(ख) आयुर्वेद के क्षेत्र में चरक के योगदान की विवेचना करें।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों का हिन्दी में अनुवाद करें  
7½X2=15

(क) दीर्घ जीवितमन्विष्यन् भरद्वाज उपागमत् ।  
इन्द्रभुञ्जतपा वृद्धा शरण्यमपरिश्रमम् ॥

(ख) \* हेतुलिङ्गोषध्यान् स्वरधातुपरायणम् ।  
त्रिसूत्रं शाश्वतं पुण्यं बुबुधै यं पितामहः ॥



- (ग) तदेव युक्तं मीषज्यं यक्षरोगाय कल्पते ।  
स चैव भिक्षा श्रेष्ठो रोगैर्मयो यः प्रमोचयेत् ।
- (घ) शरीरं सत्त्वज्ञं च व्याधीनामाश्रयो मनः ।  
तथा सुखानां योगस्तु सुखानां कारणं समः ॥

---

Dr. T. PANDEY

H. O. D. Sanskrit

K. U.



- 1 दिए गए विकल्पों में सही विकल्प चुनें —
- (i) "लघुश्लोकात्मक" आयुर्वेद कितने भागों में विभक्त है? 1X10  
 (क) आठ (ख) दश (ग) पाँच
- (ii) सूत्रस्थान में कितने अध्याय हैं?  
 (क) तीस (ख) पन्द्रह (ग) दश
- (iii) "पुनर्वसु" किसका पुत्र था?  
 (क) आत्रेय-ऋषि (ख) मारद्वज (ग) चरक
- (iv) चैष्टार व्यवहार में कितने प्रकार की हैं?  
 (क) बारह (ख) चार (ग) तीन
- (v) चरक संहिता के प्रथम अध्याय का क्या नाम है?  
 (क) शौगाध्याय (ख) दीर्घजीविनीय अध्याय (ग) ज्वराध्याय
- (vi) चरक का काल क्या माना गया है?  
 (क) प्रथम शताब्दी (ख) पंचशताब्दी (ग) चतुर्थ शताब्दी
- (vii) किस ऋषि को आयुर्वेद का प्रथम आचार्य माना जाता है?  
 (क) गौतम (ख) मारद्वज (ग) आत्रेय
- (viii) चरक संहिता कितने कितने भागों में विभक्त है?  
 (क) बारह (ख) आठ (ग) दश
- (ix) चरक कहां के निवासी थे?  
 (क) मगध (ख) गौंधार (ग) विदर्भ
- (x) आयुर्वेदिकज्ञान की स्वयं अनुभूति किसे हुई थी?  
 (क) ब्रह्मा (ख) विष्णु (ग) महेश



2. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखें।

15X1

(क) संस्कृताध्ययनस्य प्रयोजनानि

(ख) गद्य कवीनां निकषं वदन्ति

(ग) कविः कालिदासः

(घ) देशरक्षा परमो धर्मः

3. निम्नलिखित समसामयिक विषयों में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखें।

15X1

(क) भ्रष्टाचारः

(ख) संस्कृत संगणक-च

(ग) म्हारखण्ड प्रदेशे जीविकोपार्जनस्य समस्या

(घ) पर्यावरण संरक्षणम्

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दें।

15X1

आयुर्वेद के क्षेत्र-परक के योगदान की विवेचना करें।

अथवा

परक संहिता के सूत्रस्थान का सारांश प्रस्तुत करें।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों का हिन्दी में अनुवाद करें।

7/2X2=15

(क) तदा भूतैष्वनुक्रौशं पुरस्कृत्य सहर्षयः ।

समैताः पुण्यकर्माणः पार्श्वे हिमवतः शुभे ॥

(ख) विध्नभूता यदा रोगाः प्रादुर्भूताः शरीरिणाम् ।

तपोपवासाध्ययन ब्रह्मचर्यं व्रतायुषाम् ॥

(2)



- (ग) शरीरं सत्त्वं च व्याधीनामाप्त्यौ भनः ।  
तथा सुखानां योपास्तु सुखानां कारणं समः ॥
- (घ) सरस्नेहमुष्णं तीक्ष्णं च द्रव्यमम्लं सरं कटु ।  
विपरीतगुणैः पित्तं द्रव्यैराशु प्रशाम्यति ॥

3

Dr. T. PANDEY

H.O.D. Sanskrit

K.U.

3



# Answer Sheet

M. A. 4th SEM संस्कृत SNK-CC-412  
द्वादश पत्र

प्रश्न सं०-1 का उत्तर

SET-1	SET-2	SET-3
(i) — ख (ii) — क (iii) — ख (iv) — ग (v) — ग (vi) — ग (vii) — ग (viii) — ख (ix) — क (x) — क	(i) — ख (ii) — क (iii) — ख (iv) — ख (v) — ग (vi) — क (vii) — क (viii) — क (ix) — ग (x) — ग	(i) — क (ii) — क (iii) — क (iv) — ख (v) — ख (vi) — क (vii) — ख (viii) — ख (ix) — ख (x) — क

Dr. T. PANDEY  
H.O.D. Sanskrit  
K.U.

Dr T. Pandey

H.O.D. Sanskrit

K.U.

9430766649